भाभी की चूत में लंड से पिचकारी मारी

“Xxx होली सेक्स कहानी में मैंने राजस्थान की एक जवान भाभी की चूत मारी. वे हमरे पड़ोस में रहती थी. उनके पति के साथ मैंने बीयर पी. उसके बाद भाभी की चूत मुझे कैसे मिली ? …”

Story By: अभिषेक 91 (abhishek9)
Posted: Saturday, June 10th, 2023
Categories: पड़ोसी
Online version: भाभी की चूत में लंड से पिचकारी मारी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भाभी की चूत में लंड से पिचकारी मारी

Xxx होली सेक्स कहानी में मैंने राजस्थान की एक जवान भाभी की चूत मारी. वे हमरे पड़ोस में रहती थी. उनके पति के साथ मैंने बीयर पी. उसके बाद भाभी की चूत मुझे कैसे मिली ?

हाय दोस्तो, मैं अभिषेक अपनी सेक्स कहानी लेकर हाजिर हूँ.
मेरी उम्र 23 वर्ष है, मैं महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले का रहने वाला हूँ।
मेरी हाइट 6 फुट है, रोजाना जिम जाता हूं … इसलिए सेहत काफी मस्त है।

मेरा लंड 7 इंच लंबा और 2.5 इंच मोटा है. एक बार कोई मुझसे चुदा ले, वो खुद मुझे दुबारा बुला लेती है.

मैं इस Xxx होली सेक्स कहानी में जिन पात्रों के नाम लिख रहा हूँ, उनके नाम बदल रहा हूँ. क्योंकि मैं नहीं चाहता कि किसी के व्यक्तिगत जीवन में कोई परेशानी आए।

मैं जहां रहता हूं. वो अपार्टमेंट वाला एरिया है।
हमारे पड़ोस में एक राजस्थानी फैमिली किराए पर रहने आयी थी.
उनको यहां शिफ्ट हुए अभी 9 महीने ही हुए थे.
उस फैमिली में पति-पत्नी, भैया के पिताजी और उनका बच्चा था।

भाभी अंजलि की उम्र 23 साल थी वो गृहिणी थी।
भैया राजेश घर में पिछले 4.5 साल से टाईल्स लगाने का काम करते थे. उनका बच्चा गोलू डेढ़ साल का था।

उनके ससुर जो मेरे दादाजी के ही उम्र के थे 75 साल के रहे होंगे. उनका पूरा परिवार हमारे

बाजू के ही फ्लैट में ही रहता था.

हमारे घर में किचन की टाइल्स बदलवानी थी तो हमने वो काम भैया से ही करवाया था. इसलिए हमारी उनसे अच्छी जान पहचान हो चुकी थी.

मेरी छोटी बहन और अंजलि भाभी आपस में काफी अच्छी सहेली बन चुकी थीं.
भाभी का फिगर 34-28-36 का था और उनकी हाईट भी काफी अच्छी थी. वो 5 फुट 7 इंच की हैं।

भाभी को अगर कोई एक बार भी देख ले, तो गारंटी है कि वो मुठ मारे बिना नहीं रह सकता।
मेरी भी भाभी से अच्छी खासी जमती थी. मेरी बहन को बच्चों से बहुत लगाव होने के कारण वो हमेशा गोलू के साथ खेलती रहती थी।

भैया और मेरी उम्र में ज्यादा अंतर नहीं होने के कारण कभी कभी हम साथ बैठ कर बियर पी लेते थे।

होली वाले दिन भैया के पिताजी होली के लिए अपने बड़े बेटे के पास गांव गए हुए थे. इधर उनके घर में भैया और भाभी और उनका बच्चा ही था।

होली वाले दिन सभी ने मिलकर होलिका दहन किया और दूसरे दिन धूलिवंदन वाला दिन था।

भैया ने मुझे पहले ही बता दिया था कि धूलिवंदन वाले दिन मेरे फ्लैट में पीने प्रोग्राम रखते हैं।
मैंने भी हां कर दी।

हम दोनों ने सबके साथ थोड़ी होली खेली और भैया के फ्लैट में पीने के लिए बैठ गए।
भाभी नीचे सबके साथ होली खेल रही थीं।

मैं सिर्फ बियर पीता था इसलिए मैंने सिर्फ एक बियर पी और भैया ने खुद के लिए दारू के दो पैग गटक लिए.

अपना प्रोग्राम रोक कर हम दोनों नीचे आए और सबके साथ डांस किया, होली खेली और 12 बजे फिर से ऊपर आकर पीने बैठ गए.

भैया ने देखते ही देखते 6 पैग पी लिए जबकि मेरी अभी दूसरी बियर ही चल रही थी।
तभी घर की घंटी बजी.

मैंने उठ कर दरवाजा खोला तो देखा अंजलि भाभी आयी हुई थीं।
उनका पूरा भीगा बदन और अंग से चिपके हुए कपड़े देख कर मेरी उन पर से नजर ही नहीं हट रही थी।

भाभी ने मेरे सामने हाथ हिलाए और पूछा- क्या हुआ ?
मैंने कहा- कुछ नहीं.

फिर वो अन्दर आ गईं.

भैया ने भाभी से पूछा- गोलू कहां है ?
वो बोलीं- अभिषेक जी के घर है, वो वहीं सो गया है।

भैया ने कहा- तुम एक काम करो, थोड़े से पापड़ तल दो.
भाभी ने जब तक पापड़ तले, तब तक भैया को अच्छा खासा नशा हो चुका था.

मेरी दूसरी ही बियर चल रही थी।

भाभी पापड़ लेकर आईं और हमें पापड़ देकर चली गईं।

भैया को बहुत ज्यादा चढ़ गई थी. उन्होंने पैग पूरा खत्म किया और वहीं बैठे बैठे सोफे पर लुढ़क गए.

मैंने बियर खत्म की और पेशाब के लिए बाथरूम में गया.
बाथरूम का दरवाजा खुला ही था. मेरे धक्का देने से ही पूरा खुल गया।

मैंने देखा कि बाथरूम में भाभी पूरी नंगी थीं और शॉवर ले रही थीं.
उन्हें पता भी नहीं चला कि मैं कब अन्दर आ गया हूं।

मैं बाहर आ गया और सोचने लगा।
भाभी दुधारू चूचियां देख कर मेरे लंड महाराज अंगड़ाई लेने लगे.

कुछ देर सोचने के बाद मैंने भी भाभी को पेलने का मन बना लिया और अपने सारे कपड़े निकाल कर बिल्कुल नंगा होकर बाथरूम में चला गया.
भाभी शॉवर के नीचे अपनी चूत में उंगली कर रही थीं.
मैं अन्दर आया और कुंडी लगा कर भाभी को पीछे से जाकर जकड़ लिया।

भाभी को लगा कि ये भैया ही हैं, वो बोलीं- यार कितनी पीते हो. कब से मेरे नीचे आग लगी पड़ी है।

मैं कुछ नहीं बोला और पीछे से गर्दन चूमने लगा, अपने एक हाथ से बूब्स और एक हाथ से चूत सहलाने लगा.

मेरी हाइट और बॉडी थोड़ी भैया जैसी है, तो भाभी को नहीं पता चला कि मैं कौन हूँ.

मैंने उनके कान के नीचे किस की और चूत सहलाने लगा.

भाभी गर्म हो गईं.

मैंने उन्हें वैसे ही घोड़ी की तरह झुकाया और पीछे से लंड चूत पर लगा कर जोर से धक्का दे मारा.

भाभी की चीख निकल गयी.
लड की मोटाई से भाभी को शक हुआ.
उन्होंने जल्दी से आगे को होकर अपनी चूत से मेरा लंड बाहर निकाला और पलट गईं।

मुझे देख कर वो घबरा गईं और टॉवल लेकर लपेट लिया।
मैं वैसे ही नंगा भाभी के सामने खड़ा था।

मैंने भाभी से माफी मांगी और कहा- सॉरी भाभी, मैं पेशाब करने आया था. आपको नंगी नहाते हुए देख कर मुझसे कंट्रोल नहीं हुआ।

भाभी बोलने लगीं- तुम यहां से बाहर निकलो पहले … वरना मैं सबको बता दूंगी.
मैं भाभी से माफी मांगने लगा- भाभी, आप इतनी सेक्सी हो, मुझसे रहा नहीं गया।

भाभी बोलीं- ये आपने अच्छा नहीं किया. मैं शादीशुदा हूँ. आपको ऐसे करते शर्म नहीं आई ? मैं सबको बता दूंगी।

मैं भाभी से माफी मांगने लगा.
लेकिन भाभी मान ही नहीं रही थीं।

मैं बोला- भाभी मैं आपके पैर पड़ता हूँ, प्लीज ये बात किसी को मत बताना. हम दोनों ही बदनाम हो जाएंगे.
इतना कहते ही मैंने भाभी के पैर पकड़ लिए।

जैसे ही मैं झुका मेरी नजर भाभी की चिकनी चूत पर गई और चूत देख कर मेरे मुँह में पानी आ गया।

एक बात ये है कि मुझे चूत चाटना बहुत पसंद है।
मैंने टॉवल के नीचे घुस कर भाभी की चूत में मुँह घुसेड़ा और उनकी चूत चाटने लगा.

भाभी मेरे बाल पकड़ कर मुझे दूर करने की कोशिश कर रही थीं और न जाने क्या क्या बोल रही थीं कि मैं चिल्ला कर सबको बुला लूँगी … हटो यहां से!

मगर मैं चूत चाटने में लगा हुआ था।
मुझे भी समझ में आ गया था कि भाभी को अपनी चूत में मेरा मोटा लंड लेकर मजा आ गया है और चाटने से उनकी चूत की आग फिर से सुलग उठी है.

ये चिल्लाने की कह भर रही हैं और चिल्ला नहीं रही हैं इसका मतलब ये हुआ कि भाभी को चुदवाने का मन तो है लेकिन ये ड्रामा कर रही हैं.

मैंने ये सोचा तो उनकी तौलिया खींच कर हटा दी और उन्हें फर्श पर लिटा कर उनकी चूत को चूसने लगा.

इससे धीरे धीरे भाभी गर्म होती जा रही थीं. और उनके जो हाथ मेरे बालों को पकड़ कर मुझे दूर कर रहे थे, अब वही हाथ मुझे चूत की तरफ खींच रहे थे।

कुछ देर बाद भाभी कहने लगीं- अब क्या चाटते ही रहोगे ?
यह सुनकर मैं ऊपर आ गया और भाभी को किस करने लगा.
भाभी भी मेरा साथ दे रही थीं.

मैंने कहा- भाभी, जरा मेरा चूस देतीं तो मुझे भी मजा आ जाता।

ये कह कर मैं उठ गया और वो जमीन से उठ कर घुटनों के बल बैठ गईं।

उन्होंने मेरे लंड को देखा और उसे चाटने लगीं.
कुछ ही देर में पूरा लौड़ा उनके मुँह की गर्मी का मजा उठा रहा था और एकदम लोहा हो गया था.

मैंने भाभी को गोद में उठा लिया और लिप किस करने लगा.
फिर नीचे से लंड सैट करके उन्हें चोदने लगा.

लंड चूत में गया तो भाभी जी आह आह करने लगीं.
मैंने उन्हें सामने की दीवार से टिकाया और दबादब चोदने लगा.

उन्हें मेरे साथ सेक्स करने में बहुत मजा आ रहा था। वे भी अपनी गांड को आगे पीछे करके लंड पर झूला झूल रही थीं.

मैंने उन्हें चोदते हुए पूछा- भाभी, कैसा लगा मेरा ?
वे कुछ नहीं बोलीं बस कमर को हिलाती हुई चुदवाती रहीं.

मैंने कहा- एक बार मुँह से कुछ कहो तो जानेमन.
वे बोलीं- आपको समझ नहीं आ रहा है कि मैं मजा ले रही हूँ ?

मैंने कहा- आपकी चूत बहुत कसी हुई है.
वे बोलीं- मेरे पति का पतला है ना … और आपका मोटा है.

मैं उन्हें चोदते हुए यही सब बातें करता रहा।

अब मेरे स्खलन का समय आ गया था.
मैंने भाभी को चोद कर अपने लंड की पिचकारी उनकी चूत में ही खाली कर दी.

हम दोनों थक गए थे।

मैंने भाभी से पूछा- मजा आया ?
अब भाभी ने खुल कर कहा- बहुत ज्यादा … आज तक किसी ने मेरी चूत ही नहीं चाटी. इतना मजा तो मुझे आपके भैया के साथ भी नहीं आया. आपके भैया वैसे भी मुझे कहां खुश करते हैं। जब से गोलू हुआ है, तब से काम पर से आने के बाद खाना खाकर सो जाते हैं। मुझे वो सुख देते ही नहीं हैं।

मैंने कहा- भाभी अब मैं हूँ ना !
भाभी ने कहा- ये क्या भाभी भाभी लगा रहा है। आज से मैं आपकी अंजू हूँ.
मैंने भी कहा- अंजू डार्लिंग, अब से तुम भी मुझे तुम ही कहना … आप नहीं !
‘ओके मेरे तुम !’

उसके बाद मैंने भाभी को चूमना चाटना फिर से चालू कर दिया.
हम दोनों 69 में आकर एक दूसरे को मजा देने लगे।

कुछ देर के बाद मैं सीधा होकर भाभी को किस करने लगा और उन्हें फिर से शॉवर के नीचे खड़ा करके चोदने लगा।

भाभी अब घोड़ी बनकर चुदाई करवा रही थीं.
उसके बाद वो मेरे लंड पर भी सवारी करने लगीं।
उस समय मैंने भाभी की चूची को मुँह में दबाया तो दूध की धार मुँह में आने लगी.

वे मुझे मना करने लगीं कि ये मेरे बच्चे के लिए है.
उसके बाद मैंने उनका दूध नहीं चूसा.

वे मेरे लौड़े से उठ कर फिर से चूत चुसवाने लगीं.

फिर कुछ देर बाद वो वापस लौड़े के नीचे आ गईं.

उस दिन मैंने बाथरूम में ही भाभी को तीन बार चोदा; Xxx होली सेक्स का मजा लिया और घर आ गया।
आगे से जब भी भैया घर पर नहीं होते, मैं भाभी की चुदाई में लग जाता.

कभी किचन, तो कभी बेडरूम, तो कभी सोफे पर … अब तो भाभी को चूत चटवाने का ऐसा चस्का लगा है कि मुझसे चूत चटवाये बिना चुदवाती ही नहीं हैं।

अगली सेक्स कहानी में बताऊंगा कि आगे कैसे कैसे मैंने भाभी की चुदाई करते वक़्त उनकी छोटी बहन द्वारा देख लिए जाने पर उनकी छोटी बहन को भी चोद दिया।
तब तक के लिए बाय दोस्तो, मेल जरूर करना कि आपको Xxx होली सेक्स कहानी कैसी लगी.
apure91@gmail.com

Other stories you may be interested in

मैं एक गैंगस्टर की रखैल बनकर चुद गई- 1

बैड वाइफ गुण्डा सेक्स कहानी में मैं मोहल्ले के एक गुण्डे से चुदाई करवाने के लिए बेचैन हो रही थी. वह मुझे पहले भी चोद चुका था और मुझे बहुत मजा आया था. यह कहानी सुनें. दोस्तो, मेरा नाम जीनी […]
Full Story >>>

सविता की नौकरी थोड़ी सुरक्षित हो गई

दफ्तर में सविता के पास करने के लिए बहुत काम बाक़ी है। उसे रात रात भर दफ्तर में रुक कर काम करना पड़ रहा है। और आप जानते ही हैं कि दफ्तर में सविता काम के साथ साथ और क्या […]
Full Story >>>

मेरी मम्मी और ममेरे भाई की कामक्रीड़ा- 2

माँ Xxx हॉट हिंदी कहानी में मेरी मम्मी और ममेरे भाई की चुदाई की घटना बताई है. मैंने उन दोनों की चुदाई देखने के लिए घर में मोबाइल रिकॉर्डिंग लगाई पर मुझे लाइव चुदाई देखने को मिली ! दोस्तो, मेरा नाम […]
Full Story >>>

कामदेवी जैसी कामिनी के संग प्यार भरे पल

देसी मैरिड गर्ल फक़ स्टोरी में पढ़ें कि दिल्ली के बाजार में घूमते हुए एक सेक्सी लड़की दिखी, नजरें मिली और बस दोस्ती हो गयी. उसके बाद हम दोनों ने सेक्स का मजा कैसे लिया ? दोस्तो, कैसे हैं आप सब ! […]
Full Story >>>

दोस्त की मासूम बहन की चुदाई- 1

सेक्सी लड़की हिंदी इरोटिक कहानी मेरे ख़ास दोस्त की छोटी बहन की बुर चुदाई की है. एक बार मैं अपने दोस्त के घर में उसके साथ दारू पी रहा था. उसकी बहन भी वहीं पर थी. लेखक की पिछली कहानी […]
Full Story >>>